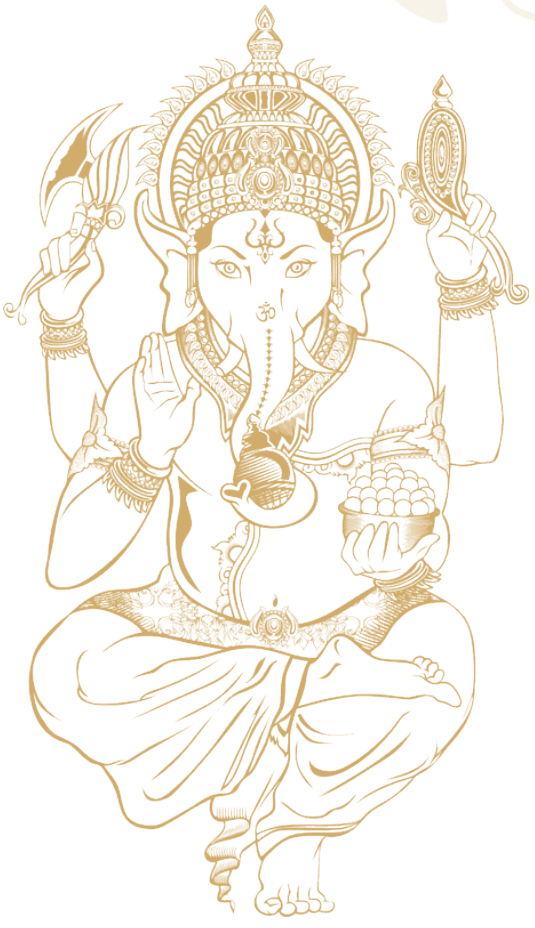

Mr.Rohitash

20 Nov 1998

04:40 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 119747906

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**19-20/11/1998**
दिन	गुरु-शुक्रवार
जन्म समय	**04:40:00 घंटे**
इष्ट	54:42:43 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	04:18:52 घंटे
वेलान्तर	00:14:42 घंटे
साम्पातिक काल	08:13:58 घंटे
सूर्योदय	06:46:54 घंटे
सूर्यास्त	17:25:58 घंटे
दिनमान	10:39:04 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	03:34:38 वृश्चिक
लग्न के अंश	05:28:50 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अनुराधा - 3**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	अतिगण्ड
करण	बव
गण	देव
योनि	मृग
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	नू-नूर
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	05:28:50	312:18:57	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	सूर्य	---
सूर्य			वृश्चि	03:34:38	01:00:34	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	मित्र राशि
चंद्र			वृश्चि	12:08:16	12:00:59	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	मंगल	नीच राशि
मंगल			कन्या	01:56:20	00:34:16	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	शत्रु राशि
बुध			वृश्चि	23:32:31	00:13:35	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	मंगल	सम राशि
गुरु			कुंभ	24:23:39	00:01:20	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	सम राशि
शुक्र		अ	वृश्चि	08:46:51	01:15:20	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	सम राशि
शनि	व		मेष	04:17:41	00:03:50	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	चंद्र	नीच राशि
राहु	व		सिंह	02:47:15	00:14:33	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	02:47:15	00:14:33	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			मक	15:24:23	00:01:36	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	---
नेप			मक	05:58:26	00:01:17	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
प्लूटो			वृश्चि	13:40:33	00:02:19	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	---
दशम भाव			कर्क	07:25:11	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:18

लग्न-चलित

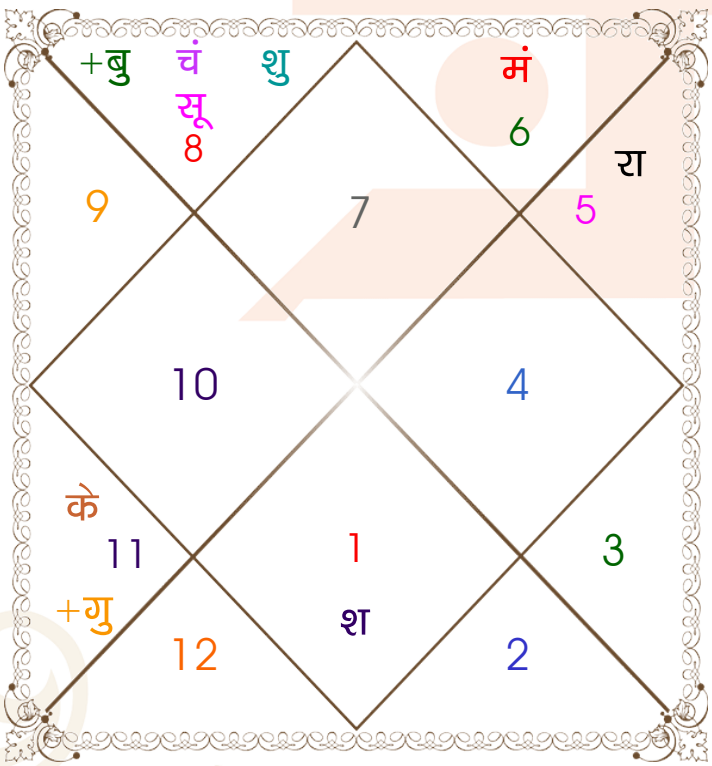

चन्द्र कुंडली

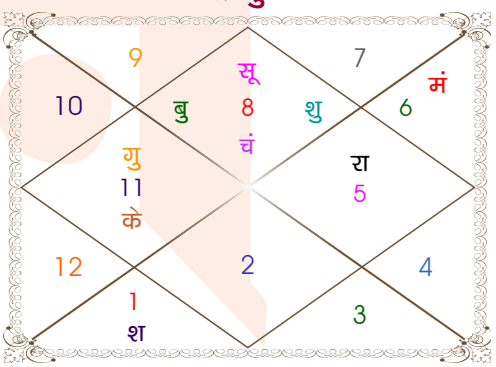

नवमांश कुंडली

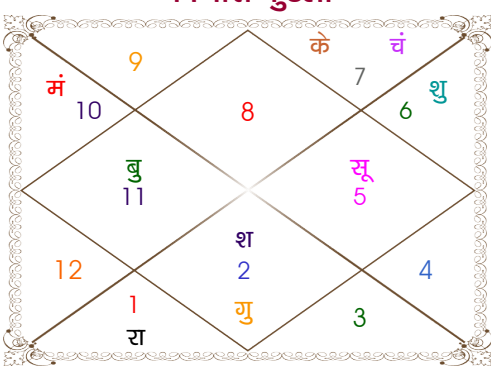

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 6 वर्ष 5 मास 13 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
20/11/1998		04/05/2005		04/05/2022		04/05/2029		04/05/2049	
04/05/2005		04/05/2022		04/05/2029		04/05/2049		04/05/2055	
	00/00/0000	बुध	30/09/2007	केतु	30/09/2022	शुक्र	02/09/2032	सूर्य	21/08/2049
	00/00/0000	केतु	27/09/2008	शुक्र	30/11/2023	सूर्य	03/09/2033	चंद्र	20/02/2050
	00/00/0000	शुक्र	29/07/2011	सूर्य	06/04/2024	चंद्र	04/05/2035	मंगल	28/06/2050
	00/00/0000	सूर्य	03/06/2012	चंद्र	05/11/2024	मंगल	03/07/2036	राहु	23/05/2051
	00/00/0000	चंद्र	02/11/2013	मंगल	03/04/2025	राहु	04/07/2039	गुरु	10/03/2052
	20/11/1998	मंगल	31/10/2014	राहु	22/04/2026	गुरु	04/03/2042	शनि	20/02/2053
मंगल	16/12/1999	राहु	19/05/2017	गुरु	29/03/2027	शनि	04/05/2045	बुध	27/12/2053
राहु	22/10/2002	गुरु	25/08/2019	शनि	07/05/2028	बुध	04/03/2048	केतु	04/05/2054
गुरु	04/05/2005	शनि	04/05/2022	बुध	04/05/2029	केतु	04/05/2049	शुक्र	04/05/2055

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
04/05/2055		04/05/2065		04/05/2072		04/05/2090		05/05/2106	
04/05/2065		04/05/2072		04/05/2090		05/05/2106		00/00/0000	
चंद्र	04/03/2056	मंगल	30/09/2065	राहु	15/01/2075	गुरु	21/06/2092	शनि	08/05/2109
मंगल	03/10/2056	राहु	18/10/2066	गुरु	09/06/2077	शनि	03/01/2095	बुध	16/01/2112
राहु	04/04/2058	गुरु	24/09/2067	शनि	15/04/2080	बुध	09/04/2097	केतु	24/02/2113
गुरु	04/08/2059	शनि	02/11/2068	बुध	03/11/2082	केतु	16/03/2098	शुक्र	25/04/2116
शनि	04/03/2061	बुध	30/10/2069	केतु	21/11/2083	शुक्र	15/11/2100	सूर्य	07/04/2117
बुध	03/08/2062	केतु	29/03/2070	शुक्र	21/11/2086	सूर्य	04/09/2101	चंद्र	07/11/2118
केतु	04/03/2063	शुक्र	29/05/2071	सूर्य	16/10/2087	चंद्र	04/01/2103	मंगल	21/11/2118
शुक्र	02/11/2064	सूर्य	04/10/2071	चंद्र	16/04/2089	मंगल	10/12/2103		00/00/0000
सूर्य	04/05/2065	चंद्र	04/05/2072	मंगल	04/05/2090	राहु	05/05/2106		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 6 वर्ष 5 मा 7 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म चित्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर तुला लग्न के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश एवं तुला द्रेष्काण भी उदित था। जो यह संकेत देता है कि आप सदैव मात्र विलासिता संबंधी विषयों के प्रति रुचिवान रहेंगे। मुख्यतः वासनात्मक विलास प्रियता आप में विद्यमान रहेगा। आप अपनी पत्नी के साथ आनंद प्राप्ति में अभिभूत रहेंगे। यह संभाव्य है कि आप काम कला की उच्च शिक्षा प्राप्ति हेतु अथवा प्रसार हेतु प्रयत्नशील रहेंगे। यह संभाव्य है कि आप कामसूत्र के विशेषज्ञ हो जाएं।

संप्रति यदि आपके लिए कार्य है तो वह कार्य घर से संबंधित है। आप अपने शयन कक्ष को अति आकर्षक बनाने के संबंध में सदैव चिंतित रहेंगे। आप अपनी पत्नी की प्रीति में पूर्ण समर्पित रहकर, पत्नी के आकर्षक के कारण एवं विलासिता संबंधी प्रसन्नता हेतु कुछ भी संभव उपाय करने के लिए सीमोलंघन भी कर सकते हैं। संप्रति आप अपनी संगिनी के प्रति अत्यन्त समर्पित हैं।

आप पूर्णरूपेण अश्वस्त होंगे कि आपको एक अच्छी जीवन संगिनी प्राप्त हुई है। आप अपनी पसंद तथा इच्छानुरूप मिथुन अथवा कुंभ राशि की जीवन संगिनी का चयन करें तथा कर्क, मकर एवं मीन जल तत्व राशि की संगिनी का त्याग करें। आपके लिए यह अनिवार्य है कि आपका घरेलू जीवन सुव्यवस्थित हो। यदि संयोगवश आप अपनी जीवन संगिनी के साथ समान तारतम्य नहीं रहा तो अप्रियता एवं दुःखद अनुभव करेंगे। इस प्रकार आपका पारिवारिक जीवन किसी संभावित घटना के कारण असंतुलित हो जाय तथा आपका संपर्क का परित्याग हो जाए। पुनः आप किस प्रकार गृह व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे।

आपके जीवन का अन्य रुचिकर विषय आपके मित्र से संबंध स्थापित करने का है। आपकी इच्छा रहती है कि आपके अच्छी मित्र मण्डली हो। जिसके सहयोग के लिए आप सतत कुछ भी करने के तत्पर रहेंगे। आपका अन्य पक्ष यह है कि आप अपने स्तर से अपने मित्रों को प्रस्तुत करेंगे। वास्तविकता तो यह है कि आपके दृष्टिकोण में ऐसा है कि ये मित्र आपके लिए पीठ की हड्डी अर्थात् रीढ़ की भांति प्रमाणित होंगे।

आपके जन्म संयोजन में चित्रा नक्षत्र एवं तुला जन्म लग्न के प्रभाव से आप अत्यंत ही लाभ एवं जीवन की सभी सुविधाओं से युक्त रहेंगे, परंतु वृश्चिक नवमांश के कुप्रभाव से जहां तक हो अड़चन बाधाओं से युक्त परिस्थिति भी हो सकती है। इस प्रकार की परिस्थिति अन्त में आपकी बाधाओं से मुठभेड़ करा सकती है जो आपके शारीरिक अंगों में रोग उत्पन्न करा कर आपकी समृद्धि में बाधक बन जाएं। अतएव आपके लिए अति अनिवार्य है आप गुप्त रोग जनित कार्य से विक्षिप्त प्रभाव के कारण यह संभाव्य है कि आपको मुंह छिपाना पड़े। अतः आप मंगलवार के दिन उपवास रहने का प्रयास करें-यह आपके स्वास्थ्य के लिए सहायक होगा।

आप व्यक्तिगत रूप से सक्रियता पूर्वक आप में यह क्षमता विद्यमान है कि आप अपनी शक्ति सम्पन्नता का अच्छा प्रभाव अपने गुणों के अनुसार किसी भी क्षेत्र में अनिवार्य रूप से सफलता प्राप्त कर सकते हैं। आप कठिन श्रम करने के लिए सुनिश्चित कर सम्पन्नता का

लाभांश यथा धन प्राप्ति के अतिरिक्त भूमि भवन का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

आपको इस प्रकार की आदतों का परित्याग कर सुख आराम की प्राप्ति हेतु व्यवसायिक प्रवृति से पृथक करना चाहिए। आपको प्रेम-प्रसंग हेतु आपने समय का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए।

आपको अपनी उन्नति हेतु सही तरीके से किस प्रकार सरकारी अधिकारी को प्रभावित करने के लिए किस प्रकार का प्रभावशाली बातचीत कर सके। यह जानते हैं। आप अपने लिए कार्य व्यवसाय में ट्रांसपोर्टर का कार्य, औषधि का व्यवसाय एवं कांट्रेक्टर का कार्य कर सकते हैं।

आप किसी भी व्यक्ति के साथ संगठित हो कर अच्छी प्रकार मिलजुल कर साथियों के मध्य प्रख्यात हो जाते हैं। आप धैर्य पूर्वक विनोद प्रिय एवं आनंददायक बाते करके प्रसन्नता प्रदान करते हैं। इस प्रकार आप अपने स्वभाव को क्षति कर सकते हैं तथा जब किसी प्रकार की घटना क्रम में आप हिंसात्मक प्रवृति के हो जाते है। आप इस प्रकार की प्रवृति के प्रति शिक्षा ग्रहण कर विपरीत स्थिति के प्रति अपने में बदलाव करें। इस प्रकार की मनोवृति को रोकना उत्तम होगा। क्योंकि आपकी यह आदत हानिकारक है। आप अपने जीवन के इन तथ्यों पर विचार नहीं कर सके तो आपकी बहुत बड़ी क्षति होकर आपकी वृद्धावस्था आर्थिक रूप से प्रभावित हो जाएगा। आप इस प्रकार की समर्पित भावनाओं को नियंत्रित कर लें। इसलिए कि आप को अपना संपूर्ण जीवन आरामदायक ढंग से बिताना है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरुवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 1, 2, 4, 7 एवं 8 अंक उत्तम है। इसके अतिरिक्त अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक उपयुक्त नहीं है।

रंगों में आपके लिए हरा, पीला रंग, आपके लिए रूचि कर एवं व्यवस्थित रंग है। परंतु रंग सफेद लाल, नारंगी आपके लिए अनुकूल एवं शुभ है।